

02 जुलाई 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

शासन:

1. जनगणना के लिए सीमाएँ तय करने की समय-सीमा पर सरकार अनिर्णीत:

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

E. संपादकीय:

**राज्यवस्था:**

1. अनिश्चितता का भाव:
2. मतदाता की पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करने का एक साधन:

**अंतर्राष्ट्रीय संबंध:**

1. गाजा में इजराइल को रणनीतिक हार का सामना करना पड़ रहा है:

**F. प्रीलिम्स तथ्य:**

1. प्रोजेक्ट-75I के तहत पनडुब्बी बोलियों के फील्ड मूल्यांकन परीक्षण पूरे:
2. एयर इंडिया अमरावती में उड़ान प्रशिक्षण स्कूल स्थापित करेगी:
3. पुर्तगाल में आयोजित वार्षिक UCCN सम्मेलन में कोझिकोड को 'साहित्य का शहर' का दर्जा मिला:

**G. महत्वपूर्ण तथ्य:**

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

**H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

जनगणना के लिए सीमाएँ तय करने की समय-सीमा पर सरकार अनिर्णीत:

### शासन:

विषय: विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप।

प्रारंभिक परीक्षा: जनगणना।

मुख्य परीक्षा: जनगणना का महत्व।

### संदर्भ:

- जनगणना कार्य के लिए प्रशासनिक सीमाओं को निश्चित करने की समय-सीमा हाल ही में समाप्त हो गई, तथा नई तारीख की घोषणा नहीं की गई है।
- यह अनिश्चितता आगामी जनगणना की तिथियों को प्रभावित करती है, जो पिछली बार 2011 में आयोजित की गई थी। दिसंबर 2020 से समय-सीमा को नौ बार बढ़ाया जा चुका है।

### मुद्दे:

- **जनगणना अनुसूची में अस्पष्टता:**
  - प्रशासनिक सीमाओं को निश्चित करने की नई समय-सीमा का अभाव जनगणना समय-सीमा के लिए अनिश्चितता पैदा करता है।
  - एक पूर्व जनगणना अधिकारी के अनुसार, विस्तार आदेश के अभाव में जनगणना में तीन से छह महीने की देरी हो सकती है।
  - जनगणना के लिए गणनाकर्ताओं की तैयारी और डिजिटल प्रशिक्षण के लिए कम से कम तीन महीने की आवश्यकता होती है, जिससे जनगणना की समय-सीमा और आगे बढ़ जाती है।

### महिला आरक्षण कार्यान्वयन पर प्रभाव:

- महिला आरक्षण अधिनियम ([Women's Reservation Act](#)), संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित करता है, जो जनगणना पर निर्भर करता है।

- नारी शक्ति वंदना अधिनियम में अधिनियम के प्रारंभ के बाद पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन की आवश्यकता होती है।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उल्लेख किया कि जनगणना और परिसीमन लोकसभा चुनाव के बाद होगा, लेकिन उन्होंने वर्ष निर्दिष्ट नहीं किया।

### जाति जनगणना की मांग:

- जनता दल (यूनाइटेड) और अन्य दलों ने जाति जनगणना की मांग की है।
- बिहार ने महत्वपूर्ण राजनीतिक समर्थन के साथ जाति जनगणना की दिशा में कदम उठाए हैं।

### महत्व:

- **प्रशासनिक तैयारी:**
  - सटीक और कुशल जनगणना के लिए प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर करना महत्वपूर्ण है।
  - इस प्रक्रिया में देरी जनगणना की तैयारी और निष्पादन में बाधा डाल सकती है।
- **राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ:**
  - नीति-निर्माण, संसाधन आवंटन और सामाजिक-आर्थिक नियोजन के लिए जनगणना डेटा महत्वपूर्ण है।
  - देरी महिला आरक्षण अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण कानून के कार्यान्वयन को प्रभावित कर सकती है।
- **तकनीकी परिवर्तन:**
  - आगामी जनगणना डिजिटल होगी, जिसके लिए व्यापक प्रशिक्षण और नई पद्धतियों की आवश्यकता होगी।
  - डिजिटल जनगणना में सुचारू परिवर्तन के लिए उचित समय और तैयारी आवश्यक है।

**समाधान:****• समय पर निर्णय लेना:**

- सरकार को प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर करने की नई समय सीमा पर तुरंत निर्णय लेने और घोषणा करने की आवश्यकता है।
- राज्य सरकारों के साथ स्पष्ट संचार और समन्वय आवश्यक है।

**• विस्तारित तैयारी अवधि:**

- गणनाकर्ताओं की तैयारी और प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त समय आवंटित करना महत्वपूर्ण है।
- यह सुनिश्चित करना कि जनगणना शुरू होने से पहले डिजिटल बुनियादी ढाँचा और प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हों।

**• राजनीतिक माँगों को संबोधित करना:**

- जाति जनगणना जैसी माँगों को संबोधित करने के लिए राजनीतिक दलों और हितधारकों के साथ जुड़ना।
- यह सुनिश्चित करना कि जनगणना प्रक्रिया समावेशी हो और जनसंख्या की विविध आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करे।

**सारांश:**

- प्रशासनिक सीमाओं को निश्चित करने की समयसीमा पर अनिर्णीत बने रहना आगामी जनगणना के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करता है। यह अनिश्चितता न केवल जनगणना की समयसीमा को प्रभावित करती है, बल्कि महिला आरक्षण अधिनियम जैसी महत्वपूर्ण नीतियों के कार्यान्वयन को भी प्रभावित करती है। सरकार द्वारा त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जनगणना कुशलतापूर्वक और

सटीक रूप से आयोजित की जाए, जो देश की सामाजिक-आर्थिक गतिशीलता को प्रतिबिंबित कीजिए।

## संपादकीय-द हिन्दू

### संपादकीय:

#### अनिश्चितता का भाव

#### सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

#### राजव्यवस्था

#### विषय: कार्यपालिका की संरचना, संगठन और कार्य।

#### मुख्य परीक्षा: नये आपराधिक कानूनों के लिए तैयारी।

#### **नए कानूनों की पुरःस्थापना:**

- तीन नए आपराधिक कानून पेश किए गए हैं: भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम।
- ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता (Indian Penal Code), दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे।

#### **तैयारी को लेकर चिंताएँ:**

- व्यापक स्तर पर यह आशंका है कि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था नए कानूनों के लिए तैयार नहीं है।
- स्टेशन-हाउस पुलिस कर्मियों को सीमित प्रशिक्षण और कार्यशालाएं प्रदान की गई हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक शिकायत दर्ज करने के लिए अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम ([Crime and Criminal Tracking Network and Systems](#)) में उन्नयन किया गया।

#### **कार्यान्वयन रणनीति:**

- केंद्र सरकार ने कठिन बदलाव की सुविधा के लिए तैयार न होने के बावजूद कानूनों को लागू करने का फैसला किया।

- प्रारंभिक असमंजस तथा पुलिस एवं कानूनी संगठनों के लिए पर्याप्त तैयारी के समय की कमी के बारे में चिंताएं।

### नए कानूनों से संबंधित मुद्दे:

- नए कानूनों के अस्पष्ट नाम, अंग्रेजी के समकक्ष शब्दों की कमी, पर कई लोगों ने सवाल उठाए।
- अपर्याप्त विधायी बहस और नागरिक समाज चर्चा की धारणा।
- पुलिस की शक्ति में वृद्धि और संभावित नागरिक नुकसान की आशंका।
- सामान्य दंड विधि में 'आतंकवाद' को एक अपराध के रूप में शामिल किये जाने के कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है।
- राज्यों को कानूनों में संशोधन करने की अनुमति है, लेकिन समय पर राष्ट्रपति की सहमति की कोई गारंटी नहीं है।

### सकारात्मक प्रक्रियात्मक सुधार:

- अधिकार क्षेत्र की परवाह किए बिना FIRs दर्ज करना।
- तलाशी और जब्ती के लिए वीडियोग्राफी की शुरुआत।

#### सारांश:

- भारत में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन से पुलिस और न्यायिक प्रणालियों की तत्परता, व्यापक बहस की कमी और सत्ता के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंताएं पैदा हो गई हैं, हालांकि कुछ सकारात्मक प्रक्रियात्मक सुधार पेश किए गए हैं।

मतदाता की पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करने का एक साधन:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

राजव्यवस्था:

विषय: जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं

मुख्य परीक्षा: मतगणना में टोटलाइजर की आवश्यकता

**प्रसंग:**

- सीतामढ़ी लोकसभा सीट से जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार देवेश चंद्र ठाकुर को आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) के उल्लंघन के आरोप में आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।
- ठाकुर के विवादास्पद बयान से पता चलता है कि वह उन मुसलमानों और यादवों की मदद नहीं करेंगे जो उनका समर्थन नहीं करते।
- इस बयान को लोकतांत्रिक सिद्धांतों तथा नागरिकों और उनके प्रतिनिधियों के बीच संवैधानिक संबंधों को कमजोर करने वाला माना गया।

**मतदाता गोपनीयता के लिए ईसीआई का प्रस्ताव:**

- निष्पक्ष चुनावों के लिए मतदाता गोपनीयता बहुत ज़रूरी है, इससे प्रतिशोध या प्रलोभन को रोका जा सकता है।
- चुनाव संचालन नियम, 1961 का नियम 56 पहचाने जाने योग्य मतपत्रों को अस्वीकार करके मतपत्र की गोपनीयता सुनिश्चित करता है।
- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVMs) पारंपरिक मतपत्र मिश्रण को असंभव बना देती है, जिसके कारण टोटलाइज़र का उपयोग करने की मांग की जाती है।

**टोटलाइज़र की शुरुआत और विवाद:**

- 2007 में शुरू किया गया टोटलाइज़र, चुनाव के बाद उत्पीड़न को रोकने के लिए बूथ-स्तरीय मतदान पैटर्न को छुपाता है।
- 2008 में इसका प्रदर्शन किया गया और 2009 में मेघालय और उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में इसका परीक्षण किया गया।
- यह प्रस्ताव भारत के चुनाव आयोग (Election Commission of India (ECI)), सरकार और अदालतों के बीच बिना क्रियान्वयन के घूमता रहा है।

**कानूनी एवं राजनीतिक घटनाक्रम:**



- 2011 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने सरकार को टोटलाइज़र के लिए ECI की सिफारिश पर विचार करने का आदेश दिया।
- 2014 में, सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए बूथ-वार के बजाय समग्र निर्वाचन क्षेत्र के परिणाम घोषित करने की मांग की गई।
- ECI ने टोटलाइज़र की आवश्यकता की पुष्टि की, जबकि सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इससे कोई व्यापक जनहित नहीं है।

#### वर्तमान स्थिति और राय:

- भारतीय विधि आयोग (Law Commission of India) ने अपनी 255वीं रिपोर्ट में चुनाव आयोग के प्रस्ताव का समर्थन किया।
- राजनीतिक दलों के विचार मिश्रित हैं: कुछ समर्थन करते हैं, कुछ विरोध करते हैं, और अन्य चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने का सुझाव देते हैं।
- मतदाता की पहचान गुप्त रखने और पूर्वाग्रहों को दूर करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में चल रही बहस के साथ, यह मामला 2018 से ही निष्क्रिय बना हुआ है।

#### सारांश:

- विवादों और मिश्रित राजनीतिक विचारों के बीच मतदाता की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए टोटलाइज़र के उपयोग का प्रस्ताव अभी तक अनसुलझा है, जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों की सुरक्षा और चुनाव के बाद मतदाता उत्पीड़न को रोकने में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में चल रही बहस को दर्शाता है।

गाजा में इजराइल को रणनीतिक हार का सामना करना पड़ रहा है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: पश्चिम एशिया में व्यवधान

**भूमिका:**

- 7 अक्टूबर, 2023 को हमस के हमले के बाद इजराइल ने गाजा पर युद्ध की घोषणा की, जिसमें कम से कम 1,200 लोग मारे गए।
- इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का लक्ष्य हमस को "कुचलना" और समूह को पूरी तरह से खत्म करना था।
- गाजा 2007 से इजरायली नाकाबंदी के अधीन है; हमले के बाद पूरी घेराबंदी की गई, जिसके बाद भारी हवाई हमले और आक्रमण हुआ।

**गाजा पर प्रभाव और विजय का अभाव:**

- युद्ध-पूर्व गाजा की जनसंख्या 2.3 मिलियन थी, जिसमें से लगभग सभी विस्थापित हो गए।
- 37,000 से अधिक लोग मारे गए और 86,000 घायल हुए।
- रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने स्वीकार किया कि हमस को खत्म करना संभव नहीं है।

**हिज्बुल्लाह के साथ उत्तरी दुविधा:**

- हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान से नियंत्रित हमले शुरू किए, जिससे 60,000 इजरायली विस्थापित हो गए।
- लेबनान में इजरायल के हमलों से हिजबुल्लाह को कोई नुकसान नहीं हुआ है; आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा।
- हिज्बुल्लाह के साथ संभावित युद्ध 2006 के संघर्ष से अधिक कठिन होगा।

**ईरान का प्रभाव और परमाणु संकट:**

- इजराइल ने सीरिया में ईरानी अधिकारियों और दमिश्क में ईरानी दूतावास को निशाना बनाया, जिस पर ईरान की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हुई।
- ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को बढ़ा दिया है, जबकि इजरायल गाजा में उलझा हुआ है और ईरान के साथ खुले युद्ध को लेकर सतर्क है।

**अरब सामान्यीकरण प्रक्रिया को झटका:**

- युद्ध-पूर्व, इजराइल अरब देशों के साथ क्षेत्रीय सहयोग का विस्तार कर रहा था।

- सऊदी अरब के साथ वार्ता रुक गई है; रियाद 1967 की सीमाओं पर आधारित एक फिलिस्तीनी राज्य की मांग कर रहा है।

### अंतर्राष्ट्रीय अलगाव और कानूनी चुनौतियाँ:

- इजरायल को वैश्विक अलगाव और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें युद्ध विराम के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव तथा ICJ (ICJ) और ICC में दायर मामले शामिल हैं।
- वाशिंगटन में छात्र विरोध और असहमति की आवाजें बढ़ रही हैं, हालांकि राष्ट्रपति बाइडन इजरायल का समर्थन करते हैं।

### फिलिस्तीन मुद्दे का पुनः उभरना:

- इस युद्ध ने फिलिस्तीन मुद्दे को पश्चिम एशियाई भूराजनीति में पुनः प्रमुखता पर ला दिया है।
- मई 2024 में तीन यूरोपीय देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दे दी है, तथा अन्य देश भी ऐसा ही करेंगे।

### रणनीतिक और सामरिक निहितार्थ:

- इजराइल का रणनीतिक वातावरण और अधिक प्रतिकूल हो गया है, जिसमें न तो कोई स्पष्ट उद्देश्य है और न ही संघर्ष से आसानी से बाहर निकलने का रास्ता है।
- नेतन्याहू के निरंतर युद्ध प्रयासों से शत्रुतापूर्ण वातावरण और अधिक बढ़ सकता है।
- इजरायली नेताओं से आग्रह है कि वे अपनी रणनीतियों और कार्यनीति की व्यापक समीक्षा करें।

### सारांश:

- गाजा पर इजरायल का युद्ध, जिसका आरंभिक उद्देश्य हमास को समाप्त करना था, व्यापक विनाश, अंतर्राष्ट्रीय अलगाव और रणनीतिक असफलताओं का कारण बना है, जिसमें हिजबुल्लाह और ईरान के साथ तनाव में वृद्धि भी शामिल है। इस संघर्ष ने फिलिस्तीन मुद्दे को फिर से सुलगा दिया है, जिससे इजरायल की क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिति जटिल हो गई है।

### प्रैलिम्स तथ्य:

#### 1. प्रोजेक्ट-751 के तहत पनडुब्बी बोलियों के फील्ड मूल्यांकन परीक्षण पूरे:

**संदर्भ:**

- उन्नत पनडुब्बियों को हासिल करने के उद्देश्य से भारतीय नौसेना की परियोजना-75आई, क्षेत्र मूल्यांकन परीक्षणों (एफईटी) के पूरा होने के साथ एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर पर पहुंच गई है।
- इस ₹ 43,000 करोड़ के सौदे में जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (TKMS) और स्पेन की नवांतिया की बोलियाँ शामिल हैं। ये परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि बोलियाँ प्रस्ताव के लिए अनुरोध (RFP) में उल्लिखित तकनीकी विनिर्देशों को पूरा करती हैं।

**फील्ड मूल्यांकन परीक्षण:**

- भारतीय नौसेना की टीम ने मार्च में TKMS शिपयार्ड का दौरा किया, जबकि नवांतिया का मूल्यांकन हाल ही में किया गया।
- मूल्यांकन रिपोर्ट अब संकलित की जा रही है और समीक्षा के लिए रक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी, इस प्रक्रिया में लगभग दो महीने लगने की उम्मीद है।

**तकनीकी अनुपालन:**

- योग्य बोलियों के लिए मुख्य निर्धारक एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) प्रणाली है, जो पनडुब्बी की सहनशक्ति को बढ़ाती है।
- नवांतिया सतह और जलमग्न दोनों स्थितियों में अपने एआईपी सिस्टम का प्रदर्शन करेगा, जो एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

**स्वदेशी सामग्री की आवश्यकताएँ:**

- आरएफपी में निर्दिष्ट किया गया है कि पहली पनडुब्बी में 45% स्वदेशी सामग्री (आईसी) होनी चाहिए, जो छठी पनडुब्बी तक बढ़कर 60% हो जाएगी।
- यह आवश्यकता सुनिश्चित करती है कि यह परियोजना रक्षा विनिर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता में योगदान दे।

### अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक प्रयासः

- जर्मनी और स्पेन के शीर्ष नेता अपनी-अपनी बोलियों को बढ़ावा देने के लिए भारत का दौरा करने वाले हैं।
- इस सौदे के लिए आवश्यक अंतर-सरकारी समझौतों को अंतिम रूप देने में कूटनीतिक जुड़ाव एक भूमिका निभाएगा।

### महत्वः

- **रणनीतिक भागीदारी मॉडलः**

- यह सौदा रणनीतिक भागीदारी मॉडल के तहत आगे बढ़ रहा है, जो भारतीय शिपयार्ड और विदेशी पनडुब्बी निर्माताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।
- लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) इस परियोजना के लिए चुने गए दो भारतीय शिपयार्ड हैं।

- **तकनीकी उन्नतिः**

- उन्नत एआईपी प्रणालियों को शामिल करने से भारतीय नौसेना के पनडुब्बी बेड़े की परिचालन क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
- सौदे के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पहलू से भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा।

### भू-राजनीतिक निहितार्थः

- यह सौदा अंतिम चयन के आधार पर जर्मनी या स्पेन के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करेगा।
- बढ़ी हुई पनडुब्बी क्षमताएँ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेंगी।

## 2. एयर इंडिया अमरावती में उड़ान प्रशिक्षण स्कूल स्थापित करेगी:

### संदर्भ:

- एयर इंडिया ने महाराष्ट्र में अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे पर एक उड़ान प्रशिक्षण स्कूल स्थापित करने की योजना की घोषणा की है।
- 200 करोड़ रुपये की इस पहल का लक्ष्य सालाना 180 पायलटों को प्रशिक्षित करना है और इसे जून 2025 तक शुरू किया जाना है।
- यह किसी भारतीय एयरलाइन द्वारा स्थापित पहला उड़ान स्कूल होगा, जो भारत के विमानन प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण विकास को दर्शाता है।

### बुनियादी ढांचे का विकास:

- डिजिटल रूप से सक्षम कक्षाओं, एक डिजिटलीकृत संचालन केंद्र और एक रखरखाव सुविधा सहित आधुनिक सुविधाओं के साथ एक अत्याधुनिक उड़ान प्रशिक्षण स्कूल की स्थापना।
- 31 सिंगल-इंजन पाइपर आर्चर विमान और तीन ट्विन-इंजन डायमंड DA42 विमानों की उपलब्धता और परिचालन तत्परता सुनिश्चित करना।

### पायलट प्रशिक्षण और गुणवत्ता:

- भारत में पर्याप्त बुनियादी ढांचे और गुणवत्ता प्रशिक्षण सुविधाओं की वर्तमान कमी को दूर करना, जिसके कारण 40% इच्छुक पायलटों को विदेशों में प्रशिक्षण लेना पड़ता है।
- विश्वस्तरीय पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना जो वैश्विक मानकों के अनुरूप हों।

### रोजगार और आर्थिक प्रभाव:

- विमानन क्षेत्र और संबंधित उद्योगों में रोजगार के अवसर पैदा करना।

- राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और समग्र आर्थिक विकास में स्कूल के योगदान को सुनिश्चित करना।

#### महत्व:

- **विमानन प्रशिक्षण को बढ़ावा:**
  - भारत के घरेलू उड़ान प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, इच्छुक पायलटों को विदेश में प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता को कम करना।
  - अत्यधिक प्रशिक्षित पायलटों की निरंतर आपूर्ति प्रदान करके एयर इंडिया की विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने की महत्वाकांक्षा का समर्थन करना।
- **आर्थिक लाभ:**
  - विमानन और संबद्ध क्षेत्रों में 3,000 से अधिक नौकरियों का सृजन करना।
  - प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से अगले दशक में महाराष्ट्र के सकल घरेलू उत्पाद में ₹ 1,000 करोड़ से अधिक का योगदान करना।
- **कौशल विकास:**
  - आकांक्षी पायलटों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच प्रदान करना।
  - भारतीय विमानन उद्योग के भीतर कौशल विकास और तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ावा देना।

3. पुर्तगाल में आयोजित वार्षिक UCCN सम्मेलन में कोझिकोड को 'साहित्य का शहर' का दर्जा मिला:

#### संदर्भ:



- पुर्तगाल में 16वें वार्षिक UCCN सम्मेलन में यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) के हिस्से के रूप में कोझिकोड को "साहित्य का शहर" का खिताब दिया गया है।
- इस मान्यता ने कोझिकोड को वैश्विक स्तर पर 350 यूनेस्को क्रिएटिव शहरों में शामिल किया है, जो अपनी समृद्ध साहित्यिक विरासत और सांस्कृतिक योगदान को प्रदर्शित करता है।

#### UCCN में एकीकरण:

- कोझिकोड सहित नए सदस्यों को मौजूदा नेटवर्क में एकीकृत होने और इसके लक्ष्यों के साथ संरेखित करने की आवश्यकता है।
- पुराने सदस्यों से सीखना और भविष्य की पहलों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करना आवश्यक है।

#### युवा भागीदारी:

- सम्मेलन का विषय, "अगले दशक के लिए युवाओं को साथ लाना", सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर देता है।
- कोझिकोड को अपने साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में युवाओं को शामिल करने के लिए रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है।

#### महत्व:

- **वैश्विक मान्यता:**
  - "साहित्य का शहर" का दर्जा कोझिकोड की वैश्विक छवि को बढ़ाता है और इसकी साहित्यिक विरासत पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करता है।
  - यह कोझिकोड को एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करता है, जिससे पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है।
- **सांस्कृतिक संरक्षण और संवर्धन:**



- यह मान्यता कोझिकोड की समृद्ध साहित्यिक परंपराओं को संरक्षित और बढ़ावा देने में मदद करती है।
- यह स्थानीय लेखकों, कवियों और साहित्यकारों को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- **आर्थिक और सामाजिक लाभ:**
  - यह दर्जा सांस्कृतिक पर्यटन और संबंधित गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहित कर सकता है।
  - यह शहर की सांस्कृतिक उपलब्धियों को उजागर करके सामुदायिक गौरव और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देता है।

### महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

### UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किस शहर को भारत का पहला यूनेस्को 'साहित्य का शहर' घोषित किया गया है?**

- (a) पटना
- (b) जयपुर
- (c) कोझिकोड
- (d) चेन्नई

**उत्तर: c**

**व्याख्या:**

- केरल के कोझिकोड को भारत का पहला यूनेस्को 'साहित्य का शहर' घोषित किया गया।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. प्रोजेक्ट-75 (I) में छह कलवरी श्रेणी की डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक पनडुब्बियों के स्वदेशी निर्माण की परिकल्पना की गई है।
2. पी-75 परियोजना की प्रमुख नाव आईएनएस कलवरी को 2017 में कमीशन किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

**उत्तर: c**

**व्याख्या:**

- दोनों कथन सही हैं।

**प्रश्न 3. फिलिप्स वक्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है:**

- (a) यह एक आर्थिक सिद्धांत है कि मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के बीच स्थिर और विपरीत संबंध होता है।
- (b) यह एक आर्थिक सिद्धांत है कि मुद्रास्फीति और बेरोजगारी का सीधा संबंध है।
- (c) यह एक ग्राफ है जो एक आबादी में आय या धन के वितरण को दर्शाता है।
- (d) इसका उपयोग इस परिकल्पना को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है कि आर्थिक विकास प्रारंभ में अधिक असमानता की ओर ले जाता है तथा बाद में असमानता में कमी आती है।

**उत्तर: a**

**व्याख्या:**

- फिलिप्स वक्र एक आर्थिक सिद्धांत है कि मुद्रास्फीति और बेरोजगारी का एक स्थिर और विपरीत संबंध है।

**प्रश्न 4. संसदीय समितियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. एक संसदीय समिति सांसदों का एक पैनल है जिसे सदन द्वारा नियुक्त या चुना जाता है या

अध्यक्ष/अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाता है।

2. वे अनुच्छेद 105 और अनुच्छेद 118 से अपना अधिकार प्राप्त करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: d

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

प्रश्न 5. ईरान इनमें से कितने देशों के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है?

- 1. इराक
- 2. सऊदी अरब
- 3. तुर्की
- 4. अज़रबैजान

निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) सभी 4

उत्तर: c

व्याख्या:

- ईरान अपनी भूमि सीमाएँ इराक, तुर्की, अज़रबैजान, आर्मेनिया, तुर्कमेनिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के साथ साझा करता है।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1.** यदि मध्य पूर्व में स्पष्ट उद्देश्यों के बिना युद्ध जारी रहता है, तो यह रणनीतिक वातावरण को और भी अधिक प्रतिकूल बना देगा। इसका विश्लेषण कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक) (सामान्य अध्ययन - II, अंतर्राष्ट्रीय संबंध) (If the war continues in the Middle East without clear objectives, it will turn the strategic environment even more hostile. Analyse. (10 marks, 150 words) [GS-2, International Relations])

**प्रश्न 2.** भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में सरकारी कल्याणकारी उपायों तक पहुँच के लिए जनगणना एक आवश्यक माध्यम है। विश्लेषण कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक) (सामान्य अध्ययन - I, समाज) (Census is an essential medium for access to government welfare measures in a diverse country like India. Analyse. (15 marks, 250 words) [GS-2, Governance])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)